# उपनिवेशों का अंत तथा अल्प-विकासशीलता
## (Decolonization and underdevelopment)

= 2nd W.W के बाद यूरोपीय साम्राज्यवाद का अन्त होना शुरू हो गया U.N.O के स्थापना के 50 वर्ष के अन्दर उसके सदस्यों की संख्या बढ़कर 185 हो गया। इसका मूलकारण था उपनिवेशों का अंत

=> एशिया ~~अफ्रि~~ अफ्रीका की अधिकांश देशों में दासता की समाप्ति हुई और एक नए युग का आरम्भ हुआ।

=> फिलीपीन्स (जो अमेरिका का उपनिवेश) की स्वतंत्रता 1946 में हुई।

=> 1995 तक अफ्रीकी देशों में स्वतंत्र देशों की संख्या 55 हो गई। जो नामीबिया सबसे अंतिम देश था अफ्रीका से 1990 में स्वतंत्र हुआ।

=> माइक्रोनेशिया तथा मार्शल द्वीप समूह (प्रशान्त महासागर) 1991 में स्वतंत्र हुआ।

=> उपनिवेश उन्मूलन अधिकर उपनिवेशों के लोगों के संघर्ष का परिणाम था।

=> उपनिवेश उन्मूलन की प्रक्रिया का काल शीत युद्ध से प्रभावित था।

### उपनिवेशवाद का अन्त

औपनिवेशिक साम्राज्यों का क्षरण — ब्रिटिश, फ्रेंच, डच

=> उपनिवेश ~~की~~ समाप्ति को अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की एक क्रांति की संज्ञा दी गई है। इस क्रांति के अनेक कारण थे।

=> रोनल्ड रोबिन्सन तथा रोजरलुई विकसित एक प्रतिमा के आधार पर तीन स्तर का कारण बताए है।

- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर
- राष्ट्रीय स्तर (औपनिवेशिक शक्तियाँ)
- स्थानीय स्तर (उपनिवेश)

## अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर परिवर्तन :

⇒ 2nd W.W के बाद दो महाशक्तियों का उदय हुआ दोनों उपनिवेशवाद के विरोधी थे। हलाँकि अपने चिरकाल में कुछ उपनिवेश बनाया था जिसमें फिलीपीन्स मुख्यता

⇒ पर वो उन्हो 1935 में ही स्वतंत्रता का आश्वासन दे दिया था पर 2nd W.W होने के कारण 1946 में उसे स्वतंत्र कर दिया।

⇒ दूसरी बात सोवियत साम्राज्यवादी विरोधी था अतः अब अमेरिका उपनिवेश उन्मूलन प्रक्रिया तेज करना अपना कर्तव्य समझता था।

⇒ अब अमेरिका स्वयं उपनिवेश उन्मूलन के लिए यूरोपिय राज्यों पर दबाव डाला।

⇒ दूसरी ओर सोवियत भी उपनिवेश विरोधी था वह भी सभी उपनिवेशों को शीघ्र स्वतंत्र करने पर बल दे रहा था।

⇒ उन उपनिवेशों को सोवियत संघ ने अधिक समर्थन दिया जिसमें स्वतंत्रता आन्दोलन का नेतृत्व साम्यवादी अथवा अन्य वामपंथियों के हाथों में था।

⇒ परिणामतः कुछ ऐसे उपनिवेश जो अपनी स्वतंत्रता के लिए कुछ ऐसे सुधार किए जो कि साम्यवादियों के प्रभाव से मुक्त रहे।

Note : इराक ब्रिटेन का एक मैण्डेट था - जिसे 1932 में स्वतंत्र कर दिया था।

## राष्ट्रीय स्तर पर परिवर्तन :

⇒ ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, पुर्तगाल तथा हॉलैण्ड यूरोप के प्रमुख औपनिवेशिक देश थे।

⇒ ब्रिटिश साम्राज्य संसार में सबसे बड़ा था।

रोचक तथ्य → कहा जाता था कि ब्रिटिश साम्राज्य में कहीं सूर्य अस्त नहीं होता था।

⇒ 2nd W.W. में ब्रिटेन, फ्रांस निश्चित रूप से विजय रहे पर अपने उपनिवेशों पर अधिकार जमाने में असफल रहे

⇒ राष्ट्रवाद की भावना उपनिवेश विरोधी जनमत ने उन्हे कमजोर बना दिया और उपनिवेशों को बलप्रयोग पर रखना अब उचित नहीं माना जाता था।

## ब्रिटिश उपनिवेश :

⇒ उपनिवेश उन्मूलन के पीछे मूलकारण था तर्कसंगत प्रक्रिया स्वतंत्रता आन्दोलनों की सफलता।

⇒ यह काम 1776 में अमेरिका ने कर दिखाया था। (3) अमेरिकी उपनिवेशों ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।

⇒ इसके बाद कनाड़ा, अस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड एवं द. अफ्रीका को आन्तरिक स्वाधीनता प्राप्त हुई जो 1931 ई. में पूर्ण स्वतंत्र हो गए।

⇒ भारत की स्वतंत्रता को 'इतिहास की सीढ़ी का अगला कदम' कहा गया।

⇒ भारत स्वतंत्रता के बाद अश्वेतों की स्वतंत्रता बड़ी तेजी से होने लगी।

⇒ हिन्द महासागर और प्रशांत महासागर के अनेक द्वीपों पर ब्रिटेन ने अपना उपनिवेश बना रखा था → बरूनी, बेलीज जिब्राल्टर बरमूदा, फॉकलैण्ड, पिटकैरन द्वीप वर्जिन द्वीप, टर्क्स, कायकोस द्वीप, कैमान द्वीप मान्टसेराट, सेन्ट हेलिना इत्यादि।

⇒ 1886 के बाद कनाड़ा के निवासी ब्रिटिश प्रजा न होकर कनाड़ा के नागरिक थे। 1949 में न्यूफाउण्डलैण्ड कनाडा का 10वाँ प्रान्त बन गया।

⇒ 1948 में बर्मा राष्ट्रकुल से पूरी तरह अलग हो गया।

⇒ भारत 1950 में सार्वभौमिक जनतांत्रिक गणराज्य बन गया। लेकिन राष्ट्रकुल से अलग नहीं हुआ।

⇒ 1956 में जब इंग्लैंड के प्रधानमंत्री सर एन्थोनी ईडन ने स्वेज नहर पर कब्जा करने के लिए मिस्र के विरुद्ध सशस्त्र कार्यवाही करने का खतरा उठाया तो अमेरिका, रूस, तथा U.N.O के अधिकांश सदस्यों के विरोध के कारण पीछे हटना पड़ा।

⇒ इससे स्पष्ट है कि औपनिवेशिक शक्तियों ने एक-दूसरे की नीतियों को अवश्य प्रभावित किया।

⇒ इसी बीच ब्रिटेन में सत्ता परिवर्तन भी हुआ और उसकी क्षमता में कमी आई।

रोचक तथ्य :- लेबर पार्टी के उप-नेता हर्बर्ट मरिसन ने अफ्रीका के संबंध में कहा → "जैसा की एक दस वर्ष के बालक को ताले की चाबी, बैंक का खाता और एक बंदूक दे देना।"

⇒ एटली घोषणा पत्र के द्वारा June 1948 तक भारत को आजाद करनी की बात कही गई पर परिस्थिति ने ऐसा खेल दिखाया की 15 Aug 1947 को स्वतंत्र कर देना पड़ा

⇒ यहाँ से अब अफ्रीका में भी उपनिवेशवाद उन्मूलन प्रक्रिया शुरू हो गया।

⇒ पश्चिमी अफ्रीका में गोल्ड कोस्ट (घाना) 1958 में स्वतंत्र हो गया। 1960 में नाईजीरिया भी स्वतंत्र हो गया।

⇒ 1990 के बाद उपनिवेशवाद उन्मूलन की प्रक्रिया लगभग समाप्त हो गई।

⇒ 1993 में नेल्सन मण्डेला को राष्ट्रपति बनाया गया (द० अफ्रीका) इसके साथ जातिभेद उन्मूलन की प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

ब्रिटेन के एशिया और अफ्रीका के उपनिवेशों को निम्न कालक्रमानुसार उपनिवेशवाद से मुक्ति प्राप्त हुई—

| क्र.स. | नाम देश | स्वतन्त्र होने की तिथि |
|---|---|---|
| 1. | कनाडा, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड़ एवं दक्षिण अफ्रीका 1931 में पूर्ण स्वतन्त्रता प्राप्त कर चुके थे। | |
| 2. | **एशिया के देश** | |
| | 1. पाकिस्तान | 14 अगस्त, 1947 |
| | 2. भारत | 15 अगस्त, 1947 |
| | 3. बर्मा (म्यांमार) | 4 जनवरी, 1948 |
| | 4. लंका | फरवरी, 1948 |
| | 5. मलाया | 31 अगस्त, 1957 |
| 3. | **अफ्रीकी देश**[5] | |
| | 1. अबीसीनिया, साइबेरिया, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका संघ | द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व स्वतन्त्र हो चुके थे |
| | 2. सूडान | 1 जनवरी, 1956 |
| | 3. घाना | 6 मार्च, 1957 |
| | 4. संयुक्त अरब गणराज्य | 1959 |
| | 5. सोमालिया | 1 जुलाई, 1960 |
| | 6. नाइजीरिया | 1 अक्टूबर, 1960 |
| | 7. तंजानिया | दिसम्बर, 1961 |
| | 8. युगाण्डा | अक्टूबर, 1962 |
| | 9. केन्या | दिसम्बर, 1963 |
| | 10. जंजीबार | दिसम्बर, 1963 |
| | 11. न्यासालैण्ड | 1964 |
| | 12. जाम्बिया (उत्तरी रोडेशिया) | 1964 |
| | 13. गाम्बिया | 1964 |
| | 14. मॉरिशस | मार्च, 1958 |
| | 15. गुयाना | मई, 1966 |
| | 16. बोत्सवाना (बचुआनालैण्ड) | सितम्बर, 1966 |
| | 17. लिसोथो (वसूतोलैण्ड) | अक्टूबर, 1966 |
| | 18. बारबाडोस | नवम्बर, 1966 |
| | 19. ग्रिनाडा | फरवरी, 1974 |
| | 20. रोशेल्स | जून, 1976 |
| | 21. जिम्बाब्वे (रोडेशिया) | अप्रैल, 1980 |
| | 22. वेलीज | सितम्बर, 1981 |
| | 23. एण्टिगुआ | अक्टूबर, 1982 |